# श्रम चिंतन शिविर: नीति से जमीनी अमल तक

## नेटवर्क और आजीविका प्रोफाइल का अर्थ

NCS ONE नौकरी खोजने वाले ऐप, नियोक्ता ऐप, राज्य रोजगार पोर्टल, निजी नौकरी मंच और शिक्षण परिसरों को जोड़ता है। Occupational Shortage Index (OSI) श्रम बाजार में मांग और आपूर्ति के अंतर का डेटा-आधारित संकेतक है। इसका उपयोग करियर और प्रशिक्षण की दिशा समझने के लिए है; पोर्टल पर दर्ज होना नौकरी मिल जाने की गारंटी नहीं है।

ई-श्रम आजीविका प्रोफाइल श्रमिक की आजीविका-संबंधी जानकारी के साथ पाँच सुरक्षा आयामों को दर्ज करता है: खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य सुरक्षा, जीवन बीमा, दुर्घटना एवं दिव्यांगता सुरक्षा और पेंशन सुरक्षा। प्रोफाइल में जानकारी दर्ज होना अपने-आप इन सभी लाभों की पात्रता, मंजूरी या भुगतान का प्रमाण नहीं है। प्रत्येक लाभ की अपनी शर्तें और प्रक्रिया होती है।

## स्रोत

- [1] https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2339938&lang=2&reg=48

प्रकाशन: 22 नवंबर 2026

समाचार-संदर्भ: 21-22 नवंबर 2026, गांधीनगर; समापन और नई सेवाओं की पुष्टि 22 नवंबर।

GS-2: सहकारी संघवाद और कल्याण; GS-3: रोजगार।

प्रिलिम्स: श्रम चिंतन शिविर, EPFO, ESIC और NCS।

pcsmantra.com




मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

## खबरों में क्यों

राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के श्रम एवं रोजगार मंत्रियों का दो दिवसीय **चिंतन शिविर** 21 नवंबर 2026 को गुजरात के गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में शुरू हुआ। आयोजन श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने किया है। इसका परीक्षा-उपयोगी नया पक्ष राज्यों के अनुभवों, क्षेत्रीय अधिकारियों और डिजिटल सेवाओं को जोड़कर श्रम नीतियों के अमल पर चर्चा है। यह लेख श्रम संहिताओं की वर्षगाँठ का पूरा विश्लेषण दोहराने के बजाय इसी समन्वय पर केंद्रित है। [1]

## शिविर का स्वरूप

उद्घाटन सत्र की सह-अध्यक्षता गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने की। मंत्रालय ने उद्योगों की प्रगति और श्रमिक कल्याण को साथ लेकर चलने पर जोर दिया। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मंत्रियों तथा वरिष्ठ अधिकारियों की भागीदारी इसे अनुभव साझा करने का मंच बनाती है। [1]

**विचार-विमर्श बनाम कानूनी बदलाव:** किसी सम्मेलन में विषय पर चर्चा अपने-आप नया अधिकार, नियम या लाभ लागू नहीं करती। इसके लिए संबंधित कानूनी और प्रशासनिक कदमों की अलग पुष्टि चाहिए। इसलिए शिविर के एजेंडे को अंतिम निर्णयों की सूची न माना जाए।

## पहले दिन के मुख्य विषय

चार विषयगत पूर्ण सत्र रखे गए: श्रम संहिताओं के अमल की स्थिति और आगे की राह; रोजगार पहल तथा **EPFO** सुधार; **ESIC** सुधार; और असंगठित श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा तथा श्रम आँकड़े। EPFO कर्मचारी भविष्य निधि संगठन और ESIC कर्मचारी राज्य बीमा निगम है। [1]

समानांतर छोटे समूहों में क्षेत्रीय अधिकारियों के लिए अमल की रणनीति, सूक्ष्म-लघु-मध्यम उद्यमों की भागीदारी, स्थानीय पहल और भरोसा-आधारित इलेक्ट्रॉनिक अनुपालन पर चर्चा रखी गई। **अनुपालन** का अर्थ लागू नियमों की आवश्यकताएँ पूरी करना है। डिजिटल अनुपालन को निरीक्षण और शिकायत-निवारण की जरूरत समाप्त होने के समान नहीं समझना चाहिए। [1]

## दूसरे दिन के पुष्ट परिणाम

22 नवंबर की PIB समापन विज्ञप्ति ने दो दिवसीय शिविर के संपन्न होने और नई सेवाओं की शुरुआत की पुष्टि की। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने **NCS ONE पोर्टल** और **ई-श्रम आजीविका प्रोफाइल मॉड्यूल** का शुभारंभ किया। NCS राष्ट्रीय करियर सेवा और ONE, Open Network for Employment है। पोर्टल में वॉयस बॉट, चैट बॉट और Occupational Shortage Index (OSI) जैसी सुविधाएँ हैं। [3]

जयपुर, लुधियाना, भुवनेश्वर, कानपुर, बेंगलुरु, वाराणसी, हैदराबाद और गुवाहाटी में आठ करियर लाउंज का वर्चुअल शुभारंभ हुआ। 200 केंद्र स्थापित करना आगे की योजना है, पूरी हो चुकी उपलब्धि नहीं। NCO-2015 का परिशिष्ट और मौजूदा तथा उभरते हरित व्यवसायों का संकलन भी जारी किए गए। समापन में केंद्र-राज्य समन्वय, शिकायतों के सक्रिय समाधान और जमीनी अमल पर जोर दिया गया। ये पुष्ट गतिविधियाँ हैं; इन्हें अपने-आप नया कानूनी अधिकार लागू होने के समान न समझें। [3]

## केंद्र-राज्य समन्वय क्यों अहम

किसी नीति का लाभ श्रमिक तक पहुँचने में नियमों की समझ, विभागों का तालमेल, क्षेत्रीय क्षमता और शिकायत का समाधान मायने रखते हैं। एक राज्य का उपयोगी अनुभव दूसरे के लिए सीख हो सकता है, लेकिन स्थानीय आर्थिक और प्रशासनिक परिस्थितियाँ अलग हो सकती हैं। इसलिए अनुभवों का आदान-प्रदान यांत्रिक नकल के बजाय अनुकूलन का आधार होना चाहिए।

श्रम आँकड़ों की गुणवत्ता भी महत्वपूर्ण है। लाभार्थी, पंजीकृत व्यक्ति और सेवा पाने वाला श्रमिक हमेशा एक ही माप नहीं होते। मूल्यांकन में यह देखना उचित होगा कि सेवा किसे मिली, किसे नहीं मिली और शिकायत का निवारण कितनी अच्छी तरह हुआ। ये विश्लेषण के मानक हैं, शिविर के घोषित निष्कर्ष नहीं।

## आगे की राह

चर्चा के बाद जिम्मेदार संस्था, समय-सीमा और सार्वजनिक प्रगति-सूचक स्पष्ट होने चाहिए। क्षेत्रीय अधिकारियों को प्रशिक्षण, श्रमिकों को सरल जानकारी और डिजिटल सुविधा के साथ मानवीय सहायता मिले। सहकारी संघवाद का वास्तविक परीक्षण बैठक की संख्या नहीं, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा सेवाओं की विश्वसनीय उपलब्धता है।

## मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

**श्रम कल्याण नीतियों को प्रभावी सेवा में बदलने के लिए केंद्र-राज्य समन्वय और क्षेत्रीय प्रशासन की क्षमता क्यों आवश्यक है? श्रम चिंतन शिविर के संदर्भ में विवेचना कीजिए। (250 शब्द, 15 अंक)**

**उत्तर की रूपरेखा**

**भूमिका:**
नीति की घोषणा और श्रमिक तक लाभ पहुँचने के अंतर से शुरुआत करें; गांधीनगर शिविर को समन्वय मंच के रूप में रखें।

**मुख्य भाग:**
राज्य-अनुभव साझा करने, EPFO/ESIC, असंगठित श्रमिक, श्रम आँकड़े तथा क्षेत्रीय प्रशिक्षण के एजेंडे को जोड़ें। विभागीय तालमेल, स्पष्ट प्रक्रिया और शिकायत-निवारण समझाएँ। डिजिटल बहिष्करण व असमान क्षमता के जोखिम और समयबद्ध जिम्मेदारी, डेटा-गुणवत्ता, प्रशिक्षण व सहायता के उपाय दें। एजेंडे को अंतिम निर्णय न लिखें।

**निष्कर्ष:**
सहकारी संघवाद को सेवा-परिणामों से मापें: विश्वसनीय पहुँच, शिकायत का समाधान और श्रमिक की गरिमा।

## स्रोत

1. Ministry of Labour and Employment: Chintan Shivir begins, 21 November 2026
2. Ministry of Labour and Employment: programme announcement, 19 November 2026
3. Ministry of Labour and Employment: Chintan Shivir closing release, 22 November 2026

वर्षगाँठ का अलग विश्लेषण: भारत में छंटनी से सुरक्षा: श्रम संहिताओं के एक वर्ष बाद कामगारों का सुरक्षा-तंत्र

## अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

### शिविर कहाँ शुरू हुआ?

21 नवंबर 2026 को महात्मा मंदिर, गांधीनगर, गुजरात में।

### क्या कार्यक्रम में लिखा पोर्टल लॉन्च पूरा होने का प्रमाण है?

नहीं। पूर्व कार्यक्रम अपेक्षित गतिविधि बताता है; वास्तविक लॉन्च की अलग पुष्टि चाहिए।

### शिविर और कानून में संशोधन में क्या अंतर है?

शिविर विचार-विमर्श का मंच है। कानूनी संशोधन या लागू नियम के लिए संबंधित औपचारिक प्रक्रिया अलग होती है।

pcsmantra.com